सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 218 | इंदौर, शनिवार 21 फरवरी, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

खुली चिट्ठी

पुष्पेन्द्र पुष्प

Congress

गांधी ने तुमको ये तो नहीं सिखाया - पढ़ाया था शर्टलेस.., हंगामा ..., चिल्लाना .., भागना..

कहां से सीखे समझे ये सब... क्या कांग्रेस की यूथBग्रेड अब Xग्रेड तक जाएगी ? मतलब खेलने दो नहीं तो खेल बिगाड़ेंगे कांग्रेस क्या ये सब ही बस यही आता तुमको..

किसने सिखाया ? संसद में जबरदस्ती चिल्लाना...अपनी बात को रखने के लिए बेतुकी हरकते करना ..उल्लझूलूल बोलना ..बांहे चढ़ाना ..आंख मारना फिर भाग जाना ..

किस से सीख गए ? संसद के बाहर अंदर मिमक्रि करना सभापति से लेकर प्रधानमंत्री पदों को लेकर अशोभनीय बोलना...

किस से सीख गए ? अपने संसद साथियों से वैचारिक मतभेद होने पर उन्हें गद्दार तक कह देना...

किस से सीख गए ? शब्दों, व्यवहार पर निम्न से निम्न होते जाना..

किस से सीख गए ? यात्रा के नाम पर ...देश को जानने समझने के नाम की नौटंकी और मात्र चुनावी हित की रणनीति..

किस से सीख गए ? समयानुसार वेश परिवर्तन..देश के विरोधी स्वरों में अपना सुर मिलना ..

बोलो ना pls बोलो ना कांग्रेस

गांधी ने तो तुमको ये नहीं सिखाया पढ़ाया था । फिर तुम और तुम्हारी यूथ बिग्रेड ..C - D - E ग्रेड क्यों होता जा रही क्या अब X ग्रेड तक जाने का प्लान बनाया है

स्कूल कॉलेज में भी अनुशासन ,व्यवहार सब सिखाया समझाया जाता है

ये सब भूल गए या तुम्हारी यूथ Bग्रेड स्कूल कॉलेज गई नहीं बस थोड़ी बड़ी हुई और डंडे उठाना और कपड़े उतारना ही आया..

कुछ तो ऐसा सार्थक करो कांग्रेस ।

जरूरी नहीं चुनाव जीतना ही लक्ष्य हो और चुनाव हारे तो बस हंगामा और अवरोध करना ही लक्ष्य हो ..

चुनाव से पहले सार्थक काम तो चुनो . जन जन में तुम्हारी गिरती स्तर को समझो और उसे ऊपर उठाने के लिए सार्थक संवाद करो..!

कांग्रेस बहुत सक्षम हो तुम लेकिन शायद तुमने असली गांधी विचार सिद्धांत आचरण को छोड़ मात्र गांधी नाम के साथ नफरती जिन्ना को पकड़ लिया ।

कोई सही कह नहीं पा रहा हो समझा नहीं पा रहा हो दिशा दर्शन का अभाव हो तो एक निःशुल्क सलाहकार के रूप में मेरी सेवाएं का खुला निमंत्रण दे रहा हूं

लेकिन कांग्रेस तुम ये सब किस से कैसे सीखते जा रहे हो..

बोलो ना कांग्रेस pls कुछ तो कहो

नहीं नहीं चिल्लाओ मत, भागो मत हंगामा मत करो..

मर्यादित आचरण के साथ सार्थक संवाद करो आखिर गांधी नाम तुमसे जुड़ा है कुछ तो शर्म करो अपने पितृ पुरुष के नाम की।

editor@dgr.co.in

कॉमन मेन की बाते समझने का दावा करने वाले कॉमन मैनर्स भी नहीं समझते..!

हम यह जरूर बोलेंगे...हम यह बोलने नहीं देंगे..ये डील में सब बेच दिया ..नहीं नहीं हमारी डील ठीक है..हम झुके नहीं..

बस ये सब बोलने नहीं बोलने की हंगामा में ही संसद सत्र में रुपए स्वाहा फक्त हो गए । तकरीबन यदि प्रतिदिन 9 करोड़ का औसत मानें, तो अब तक अनुमानित खर्च 100 करोड़ से अधिक हो सकता है।

अरे भाई बाहर बोल लो, छोटी छोटी यात्राएं,नुक्कड़ सभा जैसे चुनावों में हो हल्ला करके बतियाते फिरते हो गरियाते फिरते हो... शुरू हो जाओ फिर..

लेकिन संसद में तो ठीक ठाक काम कर लो.. सूट bu टाई टीशर्ट कोट पेंट में सजेसंवरे भाई लोग वहां क्यों अखाड़ा परिषद बनाए फिरते हो..

पेपर फेंकना..दूसरों की सीट पर जाकर चिलाना हंगामा करना ये देख सुन कर कुछ ठीक नहीं लगता मितारो..!

तुर्रा ये कि हम बोले तुम सुनो लेकिन तुम बोलो हम भगमभागी करें

ये सब क्या नौटंकी रे बाबा

हर सत्र में ये सब अब कॉमन हो गया

बैठो - सुनो ...सहमत ना हो तो बोलो...नहीं परमिशन मिले तो कोई बात नहीं प्रॉपर मीडिया कॉन्फ्रेंस करो ..अपने कार्यकर्ताओं द्वारा जन जन तक उस मुद्दे पर वैचारिक अभियान चलाओ ...

लेकिन वहां चिल्लाना भागना दौड़ना ये सब कुछ जमता नहीं. ..

अब नहीं सुधरे तो कब सुधरेंगे ..?

कुछ अच्छा करो भाई लोगो जो जहां है वही से अपनी जितनी क्षमता है कुछ तो सही करो आखिर कब तक वही सब पुराने बेमानी हो चुके ढर्रे पर खुद भी चलोगे और अपनी अपनी पार्टी को घिसते रहोगे ।

अभी तक साफ पानी , अच्छा स्वास्थ्य , पौष्टिक भोजन नहीं दे पाए देश में ,

मेरे देशप्रेमियों ...!

#पुष्प (सोशल मीडिया से साभार)

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल्ली में की इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में सहभागिता

तकनीक तभी सार्थक जब वह मानव हित में हो

- हम एआई को सुशासन और सबके विकास के लिए अपनाएंगे
- मध्यप्रदेश जल्द लांच करेगा स्टेट एआई मिशन

नई दिल्ली/भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कोई भी नई तकनीक तभी सार्थक है, जब वह मानवता के हित में अवसरों से भरपूर और कारगर हो। हमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता अर्थात आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) को नवाचार के साथ सबके विकास, सामाजिक समरसता, सुशासन और देश-प्रदेश के सर्वांगीण विकास के साधन के रूप में अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि भारत आज डिजिटल परिवर्तनों को अपनाकर निरंतर आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में एआई कृषि, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन उद्योग और प्रशासन में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एआई के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ेगी, निर्णय प्रक्रिया तेज होगी और आम नागरिक तक योजनाओं का लाभ भी अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय एकता और सामूहिक संकल्प का आह्वान करते हुए कहा कि देश के विकास के लिए सभी को मिलकर आगे बढ़ना होगा। हम सब एकजुट होकर एआई के माध्यम से भारत को समृद्धि की नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। एआई तकनीक हमारे लिए अवसर भी है और जिम्मेदारी भी। शीघ्र ही मध्यप्रदेश स्टेट एआई मिशन लांच करेगा, जो शासन प्रणाली, सार्वजनिक सेवाओं और आर्थिक अवसरों को तकनीक आधारित रूप में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम् में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 के समापन सत्र में सहभागिता की। उन्होंने भारत मंडपम् स्थित भोपाल मीडिया सेंटर में नेशनल मीडिया करेस्पांडेंट्स से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के भविष्य और इसके इस्तेमाल पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एआई से निर्भय होकर देश के हित में काम करने पर जोर दिया है। हमारी सरकार प्रदेश की समृद्धि के लिए सभी चुनौतियों से उबरकर तेज गति से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसमें मध्यप्रदेश भी अपनी बड़ी भूमिका निभा रहा है। मध्यप्रदेश, भारत का 5वां बड़ा राज्य है। राज्य के चिकित्सा क्षेत्र में एआई की मदद से सही समय पर बीमारियों की पहचान और उनका निदान एवं सुदूर अंचलों तक बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है।

इंदौर संभाग में सभी त्यौहार आपसी सद्भाव, शांति एवं सौहार्द के साथ मनाए जाएंगे

संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी

● संभागायुक्त और आईजी की संयुक्त अध्यक्षता में कानून व्यवस्था एवं सड़क सुरक्षा की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इन्दौर। इंदौर संभाग में आगामी सभी त्यौहार गौरवशाली परंपरा के अनुरूप आपसी सद्भाव, शांति एवं सौहार्द के साथ मनाए जाएंगे तथा हर हाल में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखी जाएगी। कानून व्यवस्था के संबंध में संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े और आईजी श्री अनुराग की संयुक्त अध्यक्षता में आज संभागायुक्त कार्यालय में गूगल मीट के माध्यम से समीक्षा बैठक में दी गई। वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठक में संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स एवं पुलिस अधीक्षक एवं संबंधित अधिकारी शामिल हुए। इंदौर से बैठक

में पुलिस आयुक्त श्री अनुराग, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की अपर संचालक श्रीमती सपना अनुराग जैन, विकास आयुक्त श्री डी.एस. रणदा और उपायुक्त (राजस्व) श्रीमती सपना लोवंशी उपस्थित रहे।

बैठक में आईजी श्री अनुराग जैन ने संभाग की कानून व्यवस्था एवं सड़क सुरक्षा की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में रमजान, भगोरिया, होली, रंगपंचमी, ईद आदि पर्व सभी समुदाय के सहयोग से परम्परानुसार मनाए जाएंगे। निर्देश दिए कि त्यौहारों के दौरान संभाग में सौहार्दपूर्ण वातावरण, शांति एवं कानून व्यवस्था हर हाल में बनी रहे। आवश्यकतानुसार पुलिस बल की तैनाती की जाए तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखते हुए वैकल्पिक मार्गों का निर्धारण किया जाए। साफ-सफाई, पेयजल एवं प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर विशेष मॉनिटरिंग की जाएगी तथा अफवाह फैलाने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करने को कहा है। सीसीटीवी एवं ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी की जाएगी। उन्होंने कहा कि संभाग के सभी जिलों में जनजातीय समाज का मुख्य पर्व भगोरिया एक सप्ताह से अधिक समय तक हर्षोल्लास से मनाया जाता है। भगोरिया मेले को बाहरी प्रदेशों से भी बड़ी संख्या में नागरिक आते है। हाट बाजारों में भीड़ उमड़ती है। अतः महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जाए। संभाग के सभी जिलों में होली और रंगपंचमी पर भी धूम रहती है। होलिका दहन चिह्नित स्थानों पर किया जाए। शांति समिति की बैठक में ग्राम सुरक्षा समितियों का भी सहयोग लिया जाए। परम्परागत सड़क मार्गों तथा शांतिपूर्ण तरीके से ही फाग और गेर यात्रा निकाली जाए। सभी नागरिक मिल-जुल कर त्यौहार मनाए। किसी भी भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें। रमजान माह के दौरान मस्जिदों एवं बाजार क्षेत्रों में व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए त्यौहारों के दौरान प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगे, ताकि इंदौर में शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था की परंपरा अक्षुण्ण बनी रहे।

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि त्यौहार के दौरान वाहन चालक मादक पदार्थों का सेवन कर वाहन नहीं चलाए। सुरक्षा की दृष्टि से हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग अवश्य करें। टोल नाके पर सख्ती बढ़ाएं। डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि धार, बड़वानी, खरगोन और आलीराजपुर में सरदार सरोवर परियोजना के अंतर्गत डूब प्रभावित क्षेत्रों के भू-धारकों को भूमि आवंटन की रजिस्ट्री की जाए। साथ ही संभाग के सभी जिलों में सीमांकन, नामांकन, बटवारे के साथ राजस्व प्रकरण के निराकरण में तेजी लाए। राजस्व वसूली समय सीमा में करें।

संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने निर्देश दिए कि 'संकल्प से समाधान अभियान' का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि हर पात्र व्यक्ति को उसकी पात्रता के अनुसार शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ मिले। हितग्राहियों के चयन के लिए ग्राम पंचायत से लेकर नगर निगम और नगर परिषदों में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में शासन की विभिन्न योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने की दिशा में प्रभावी कार्य किया जाए। लोकसेवा गारंटी योजना के प्रकरणों का समयसीमा में निराकरण किया जाए।

शादी समारोह में गए केटरिंग व्यवसायी के घर से जेवरात चोरी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। बीती रात दो अलग-अलग इलाकों में चोरी की घटनाएं सामने आई हैं। एक मामला अन्नपूर्णा क्षेत्र का है, जहां शादी समारोह में गए केटरिंग व्यवसायी के घर से जेवरात चोरी हो गए। वहीं सदर बाजार में चोरों ने घर में घुसने से पहले सीसीटीवी कैमरों की दिशा बदल दी और वारदात को अंजाम दिया।

अन्नपूर्णा पुलिस थाना के अनुसार उषानगर निवासी राजेश सोमानी की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया गया है। राजेश सोमानी केटरिंग व्यवसाय से जुड़े हैं। गुरुवार को वह पत्नी के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने उज्जैन गए थे। घर पर उनका बेटा सिद्धांत और बुजुर्ग पिता मौजूद थे। रात में सिद्धांत छत पर टहलने चला गया, जबकि दादा नीचे टीवी देख रहे थे। इसी दौरान चोर घर में घुस गया। चोर चार सोने की अंगूठियां, कान के टॉप्स, कान की चेन, सोने की नथ, चांदी का सेट, ब्रेसलेट सहित अन्य सामान चोरी कर फरार हो गया। परिवार के मुताबिक बेटे ने नीचे से कुछ आहट सुनी थी। छत से देखने पर उसे एक संदिग्ध व्यक्ति हाथ में थैली लेकर जाते दिखाई दिया। नीचे पहुंचने तक वह फरार हो चुका था। देर रात जब दंपति लौटे तो कमरे में अलमारी का सामान बिखरा पड़ा मिला। पुलिस शुक्रवार को आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालेगी। सदर बाजार क्षेत्र में भी चोरी की घटना हुई है। चोर गौरव कश्यप के मेन रोड स्थित घर में घुसे। वारदात से पहले उन्होंने घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की दिशा बदल दी, ताकि उनकी गतिविधियां रिकॉर्ड न हो सकें। इसके बाद सोने की चेन और अन्य सामान चोरी कर फरार हो गए। दोनों मामलों में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

अभिनेता अजय देवगन बोले -

इंदौर सबसे स्वच्छ शहर, मुझे यहां आना अच्छा लगता है...

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शुक्रवार को फिल्म स्टार अजय देवगन इंदौर आए। यहां वे एक शो रूम का उद्घाटन करने पहुंचे थे। सपना संगीता रोड स्थित शो रूम के उद्घाटन में पहुंचे अजय ने मीडिया से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इंदौर सबसे स्वच्छ शहर है। मैं बहुत खुश हूं, यहां आया हूं और मैं यहां आता रहता हूं और आगे भी आता रहूंगा। मेरी तरफ से इंदौरवासियों को बहुत-बहुत मेरा प्यार और बहुत-बहुत शुक्रिया।

कार्यक्रम स्थल के बाहर सुबह से ही प्रशंसकों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। जैसे ही अजय देवगन पहुंचे, लोगों की मोबाइल कैमरों में उन्हें

कैद करने की होड़ लग गई। कार्यक्रम के दौरान अजय देवगन ने फीता काटकर शो रूम का उद्घाटन किया और मीडिया से संक्षिप्त बातचीत की। उन्होंने इंदौर की साफ-सफाई की सराहना करते हुए कहा कि यह देश का सबसे स्वच्छ शहर है और यहां आकर उन्हें हमेशा खुशी होती है। उन्होंने इंदौरवासियों को प्यार और धन्यवाद भी दिया। अभिनेता के आगमन को देखते हुए कार्यक्रम स्थल पर निजी सुरक्षा के साथ स्थानीय पुलिस बल भी तैनात रहा। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग की गई थी। हालांकि, प्रशंसकों का उत्साह इतना ज्यादा था कि कई लोग दूर से ही उनकी एक झलक पाने की कोशिश करते नजर आए। अजय देवगन कार्यक्रम स्थल पर लगभग एक घंटे तक रहे। इस दौरान उन्होंने आयोजकों से मुलाकात की और शो रूम का अवलोकन किया। तय कार्यक्रम के अनुसार वे इसके बाद सीधे एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए। स्थानीय युवाओं और फिल्म प्रेमियों में अजय देवगन को लेकर खासा उत्साह दिखा। कई प्रशंसक उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश करते रहे, हालांकि सुरक्षा कारणों से प्रशंसकों को पास नहीं आने दिया गया।

एयरपोर्ट पर यात्रियों के लिए 200 नई सीटें लगेंगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। के देवी अहिल्याबाई होलकर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए टर्मिनल भवन में 200 अतिरिक्त सीटें लगाने का फैसला लिया गया है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने बताया कि यह व्यवस्था अप्रैल 2026 तक लागू कर दी जाएगी। पीक ऑवर्स में यात्रियों को बैठने में हो रही परेशानी को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। प्रबंधन के अनुसार नई सीटिंग व्यवस्था से यात्रियों को फ्लाइट के इंतजार के दौरान बेहतर सुविधा मिलेगी और वेटिंग एरिया अधिक व्यवस्थित होगा। एयरपोर्ट के पुराने टर्मिनल का रिनोवेशन 41 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है। यह काम 6,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में हो रहा है और अंतिम चरण में है। इसके पूरा होने से यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी और टर्मिनल की उपयोग क्षमता बढ़ेगी। टर्मिनल-2 शुरू होने के बाद रोजाना संचालित होने वाले 72 सीटर एटीआर विमानों को यहां से संचालित किया जाएगा। वर्तमान में इंदौर एयरपोर्ट से रोजाना करीब 100 उड़ानों का संचालन हो रहा है, जिनमें 36 एटीआर विमान शामिल हैं। इससे मुख्य टर्मिनल पर दबाव कम होगा। अधिकारियों के अनुसार अभी एयरपोर्ट से हर साल करीब 40 लाख यात्री यात्रा करते हैं। टर्मिनल-2 शुरू होने के बाद क्षमता बढ़कर 50 लाख यात्री प्रतिवर्ष हो जाएगी। इससे यात्रियों को टर्मिनल में होने वाली भीड़ से राहत मिलेगी।

जनता कहिन

सावधान ! फुरसतिया खेल जारी है

#औकात में रहे..! #औकात दिखा दूंगा..!
औकाताधीशों की मटर ग़श्ती जारी है..

यही तो सब कहने और करने लायक काम के लिए चुनते है.... हम खुश चलो #घंटा से औकात पर तो आए कोई..!

ज्यादा #फुर्सत हुई तो पहले बनाने का हंगामा करेंगे फिर तोड़ने का शोर मचाएंगे..आखिर उनकी भी रोजी रोटी का सवाल है..! हम #खुश कि कुछ ना कुछ तो हो ही रहा है ..

और ज्यादा फुर्सत हुई तो आंकड़ेबाजी करते हुए #विकास बाजी के #विज्ञापन नुमा आयोजन करेंगे अब हम गरीब 10 हजार गिन नहीं पाते कहां #मिलियन #ट्रिलियन समझेंगे ..हम खुश कोई बात नहीं तुम गिन लो..

और पुरस्तिया बने तो तुमने ये क्यों किया चिल्लाएंगे या तुमने भी तो उस समय ये किया था बताएंगे..मतलब तुमने किया इसलिए हम भी करेंगे मतलब ....चोर चोर मौसेरे भाई ..हम खुश चलो हम भी कहेंगे तूने भी तो उस दिन #गाली दी थी आज मैने भी दे दी हिसाब बराबर ...

उन्हें नहीं है फुर्सत गंदे #पानी, अशुद्ध #हवा, बेतरतीब #ट्रैफिक जैसी अनेकानेक जीवनोपयोगी #समस्याओं के समाधान की ..हम भी खुश कि हम भी आदी हो गए इन सबके, हमें भी कहा फुर्सत..?

वो भी फुर्सत में हम भी..खेल जारी हैं

लेकिन कभी हम फुरसतिए काम पर लगे तो ये फुरसतिए टिकेंगे कब तक ..

अपडेट होते लोग और #इंटेलिजेंट बनती #दुनिया में अब बहुत ज्यादा खड़े नहीं रह पाएंगे फुरसतिए...

फूर फूर हो जायेंगे ..जल्दी ही गिरेंगे विकेट, बल्ला सभी एक साथ ..यदि हम फुरसतिए मजा वाला खेल देखना छोड़कर अपने अपने हिस्से का काम सही में करने लग जाए तो ..!

#पुष्य (सोशल मीडिया से साभार)

भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी और नेता प्रतिपक्ष का राजवाड़ा पर जलाया पुतला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। विधानसभा में बजट सत्र के दौरान कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बीच बनी विवाद की स्थिति से प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। इंदौर भाजपा महिला मोर्चा ने भागीरथपुरा घटना को लेकर स्तरहीन राजनीति का आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का पुतला जलाया।

विधानसभा में प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बीच विवाद के बाद भाजपा–कांग्रेस आमने सामने आ गए हैं। कांग्रेस ने जहां कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वहीं भाजपा महिला मोर्चे ने जीतू पटवारी और उमंग सिंघार का पुतला जलाया। इंदौर में भाजपा महिला मोर्चा ने राजवाड़ा चौक पर प्रदर्शन करते हुए पटवारी और सिंघार का पुतला जलाया। भाजपा ने इस मामले में कांग्रेस और उसके नेताओं पर लाशों पर राजनीति करने का आरोप भी लगाया। इंदौर भाजपा महानगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस ने भोपाल गैस कांड के आरोपियों आरोपी एंडरसन को विदेश भगाया.. जबकि वह षडयंत्र के तहत की गई घटना थी। उस घटना में सैकड़ों लोगों की जान गई। हजारों प्रभावित हुए। भागीरथपुरा में भाजपा और उसके नेता पूरे समय प्रभावित क्षेत्र में रहकर सेवा की और स्थिति को काबू में किया। सुमित मिश्रा ने एक बार फिर जीतू पटवारी के महिलाओं को लेकर दिए बयान और उमंग सिंगार पर महिला द्वारा दर्ज कराए गए मामलों का जिक्र किया।

इंदौर को फिर नंबर-1 बनाने की तैयारी शुरू...

महापौर बोले यह हमारी परीक्षा का समय

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा है कि इंदौर को फिर नंबर-1 बनाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। 3.5 वर्ष के कार्यकाल में पार्षदों ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। कुछ काम पूरे हुए, कुछ प्रगति पर हैं और कई योजनाएं पाइपलाइन में हैं। हमारा लक्ष्य है कि जनप्रतिनिधियों की भूमिका को मजबूत किया जाए। यदि हम सभी स्वच्छता के पैरामीटरों का पालन करते हुए उसी तन्मयता से काम करें तो इंदौर को नंबर-1 बनने से कोई नहीं रोक सकता। कुछ लोगों ने झूठे आरोप जरूर लगाए थे, लेकिन हमारा जवाब हमारा काम है।

अब हमारी परीक्षा का समय है और इंदौर फिर से देश में स्वच्छता का चैंपियन बनेगा। वहीं नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने कहा कि शहर का सम्मान हम सबकी पहचान है, इसे बनाए रखने के लिए अधिकारी, पार्षद और नागरिक सबको एक टीम की तरह काम करना होगा। हर संस्था में चुनौतियां होती हैं, वित्तीय प्रबंधन में भी सुधार और नवाचार जरूरी हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण और फाइनेंस दोनों में पार्षदों का सहयोग अहम रहेगा। इंदौर में वार्डों के लिए स्वच्छ वार्ड रैंकिंग शुरू की गई है। हाल ही में इसके लिए कार्यशाला भी आयोजित की गई। कार्यशाला में 400 अंकों की स्वच्छ वार्ड रैंकिंग टूलकिट की विस्तृत प्रस्तुति दी गई। इसमें यह बताया गया कि अब हर वार्ड की स्वच्छता का मूल्यांकन कचरा प्रबंधन, स्रोत पर पृथक्करण, जनसहभागिता, सफाई व्यवस्था, आरआरआर गतिविधियां, सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता जैसे मानकों के आधार पर किया जाएगा। रोजाना नई रैंकिंग प्रणाली में वार्डों को प्रतिदिन डिजिटल पोर्टल पर सफाई रिपोर्ट अपडेट करना होगी। निरीक्षण टीम नियमित विजिट करेगी नागरिकों से फीडबैक लिया जाएगा वर्ष के अंत में टॉप वार्ड को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र मिलेगा, रैंकिंग का उद्देश्य है इंदौर में हर क्षेत्र को बराबर स्वच्छ बनाना। निगम की योजना है कि इससे वार्डों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और नागरिकों की भागीदारी भी। कार्यक्रम में सूरत, नवी मुंबई और विशाखापट्टनम के अध्ययन दौरे से जुड़े अनुभव साझा किए गए। इन शहरों में वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट, उन्नत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, क्लीन स्ट्रीट सिस्टम, मशीनरी आधारित सफाई जैसी श्रेष्ठ व्यवस्थाएं हैं। इंदौर में इनमें से कई मॉडल अपनाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई।

पिपलियाहाना तालाब को खत्म करने की तैयारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। पिपलियाहाना तालाब कभी साल भर लबालब रहकर क्षेत्र में हरियाली और शीतलता बिखेरता था, वह फरवरी की शुरुआत में ही आधे से ज्यादा खाली होकर अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। मलबे के ढेर, गंदगी किनारों पर लहरों की जगह बिखरी पड़ी है।

पूर्वी क्षेत्र में आसपास के इलाकों का भूजल स्तर बढ़ाने वाला पिपलियाहाना तालाब वर्षभर लबालब रहा करता था, लेकिन अब फरवरी में ही तालाब आधे से ज्यादा खाली हो गया है। तालाब में हर दिन पांच लाख लीटर पानी देने वाला ट्रीटमेंट प्लांट भी पूरी क्षमता से नहीं चलता और ज्यादातर समय बंद रहता है। इसका असर भी तालाब की संग्रहण क्षमता पर पड़ रहा है। तालाब का जिस हिस्से से प्राकृतिक बहाव आता है, वहां इंदौर विकास प्राधिकरण स्कीम-140 विकसित कर चुका है। इसके अलावा तालाब से सटाकर जिला कोर्ट की नई बिल्डिंग भी बनाई गई है। बिल्डिंग का सैकड़ों टन मलबा भी तालाब के किनारों पर डाल दिया गया है, जिस कारण इस साल तालाब बारिश में भी पूरा नहीं भर पाएगा।

ग्रीन ट्रिब्यूनल ने तालाब के जलभराव क्षेत्र को मुक्त रखने का निर्देश दिया था, इसके बावजूद कोर्ट परिसर के निर्माण के लिए पहले तालाब के बीच में बनाई गई 12 फुट चौड़ी दीवार भी नहीं तोड़ी गई। एक अच्छे-खासे तालाब को मैदान में तब्दील करने की तैयारी की जा रही है। इस तालाब के समीप जिला कोर्ट की नई बिल्डिंग का निर्माण भी लगभग पूरा होने को है। इसके लिए पहले तालाब की जमीन पर ही निर्माण शुरू कर दिया गया था।जन आक्रोश के कारण बिल्डिंग तो पीछे खिसक गई, लेकिन जो घाव तालाब को अब मलबे के ढेर और गंदगी के मिल रहे है। उन्हें भरने वाला कोई नहीं है। तालाब की जमीन तो बच गई, लेकिन उसे सहेजने के लिए नगर निगम की ओर से पहल नहीं हो रही है। तालाब के समीप आधा एमएलडी क्षमता का ट्रीटमेंट प्लांट बनाया गया है। इस प्लांट से दो पाइप तालाब से जोड़े गए हैं, जो पांच लाख लीटर पानी पहुंचाने के लिए हैं, लेकिन इतना पानी पहुंचता नहीं है।पूर्व पार्षद समीर चिटनीस ने इस तालाब को बचाने और संवारने के लिए काफी प्रयास किए थे, लेकिन उनके निधन के बाद जनप्रतिनिधियों ने तालाब की तरफ ध्यान देना बंद कर दिया। आईडीए की स्कीम-140 में कई प्लॉट तालाब के कैचमेंट एरिया में काट दिए गए हैं।

प्रॉपर्टी विवाद में कारोबारी को जान से मारने की धमकी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। द्वारकापुरी इलाके में प्रॉपर्टी विवाद को लेकर एक कारोबारी को जान से मारने और 40 लाख रुपए की मांग को लेकर धमकाने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अड़ीबाजी और धमकी देने का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। पुलिस के मुताबिक ऋषि नगर निवासी सौरभ राठौर ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह प्रॉपर्टी का काम करता है। गुरुवार को वह अपनी बेटी को लेने जा रहा था, तभी कार शोरूम के पास आरोपी प्रेम पुत्र भुजराम प्रजापत ने अपनी गाड़ी लगाकर उसे रोक लिया। आरोप है कि प्रेम ने कहा कि जिन अधिकारियों को वह आवेदन दे रहा है, उससे कुछ नहीं होगा और प्लॉट पर कब्जा वे ही करेंगे। साथ ही 40 लाख रुपए देने और कुख्यात बदमाश किशोर हटकर उर्फ भाऊ से समझौता करने का दबाव बनाया। धमकी देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। इसके बाद सौरभ थाने पहुंचा और पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार 9 फरवरी को भी द्वारकापुरी थाने में प्रेम ने पुराने हत्याकांड का हवाला देकर सौरभ को धमकाया था। इस मामले की शिकायत अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) से भी की गई थी। प्रेम प्रजापत पर खुड़ैल इलाके में गुमाश्ता नगर के एक चाय दुकानदार की हत्या का आरोप लग चुका है। आरोप था कि युवक के सिर में गोली मारकर शव को कार समेत करीब 300 फीट गहरी खाई में धकेल दिया गया था।

खजुराहो नृत्य समारोह हमारी राष्ट्रीय धरोहर : मुख्यमंत्री डॉ यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नटराज थीम पर केन्द्रित अंतर्राष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंस से किया संबोधित

● सात दिवसीय 52वाँ खजुराहो नृत्य समारोह का हुआ शुभारंभ

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि खजुराहो नृत्य समारोह हमारी राष्ट्रीय धरोहर है। खजुराहो ऐसा स्थान है जहां पत्थरों में प्राण होते हैं। खजुराहो में स्थित कंदरिया महादेव मंदिर, चतुर्भुज मंदिर, वामन मंदिर, चित्रगुप्त मंदिर, पार्वती मंदिर सहित देवालयों के परिवार विद्यमान हैं। शौर्य और रत्नों की धरती में कलाओं का संगम है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व धरोहर स्थल खजुराहो में शुक्रवार को प्रारंभ हुए शास्त्रीय नृत्यों के 7 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय नृत्य समारोह को आज वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा संबोधित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आदि संस्कृति के साथ सनातन संस्कृति को जोड़ने की दिशा में आह्वान किया है। मध्यप्रदेश सरकार विविध कलाओं के विकास के लिये प्रतिबद्ध है। इसलिए मध्यप्रदेश के बजट में संस्कृति विभाग की गतिविधियों के लिये भी राशि में वृद्धि की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खजुराहो नृत्य समारोह में पधारे शीर्ष नृत्य कलाकारों और नृत्य शैलियों के प्रतिनिधियों का स्वागत भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खजुराहो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय धरोहर है। इस वर्ष 52वाँ खजुराहो नृत्य समारोह भगवान नटराज को समर्पित किया गया है, जिसके लिये संस्कृति विभाग बधाई का पात्र है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि खजुराहो नृत्य समारोह का आयोजन भारतीय शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा को देव नटेश भगवान शिव से जोड़ने का यह अनूठा प्रयास है। मध्यप्रदेश में पधारने वाले कला साधक पुनः यहां आना चाहते हैं।

शुभारंभ अवसर पर संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (राज्य मंत्री) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी और सांसद खजुराहो श्री वी.डी. शर्मा सहित अन्य उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने चार पुस्तकों का विमोचन भी किया। इन पुस्तकों में नटराज — भगवान शिव के नृत्य मुद्रा के करण, खजुराहो एवं नृत्य समारोह केंद्रित कॉफी टेबल बुक, बुंदेली — इतिहास, संस्कृति और गौरव, बुन्देलखण्ड — मध्यप्रदेश की अमूल्य विरासत सम्मिलित थी।

उल्लेखनीय है कि संस्कृति विभाग एवं उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर, मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन — छतरपुर के सहयोग से सात दिवसीय प्रतिष्ठापूर्ण समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव, संस्कृति विभाग श्री शिवशेखर शुक्ला, संचालक संस्कृति श्री एन.पी. नामदेव, कलेक्टर छतरपुर श्री पार्थ जायसवाल एवं उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी के निदेशक श्री प्रकाश सिंह ठाकुर भी उपस्थित रहे।

शुभारंभ दिवस पर पहली प्रस्तुति संगीत नाटक अकादमी अवॉर्डी सुश्री मैत्रेयी पहाड़ी एवं साथी, दिल्ली द्वारा कथक नृत्य की हुई। सुविख्यात नृत्यांगना एवं कोरियोग्राफर मैत्रेयी पहाड़ी ने ''प्रतिष्ठा : शाश्वत तत्वों का आह्वान'' नृत्यनाटिका की प्रस्तुति दी। यह आह्वान पंचतत्व — पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश — को समर्पित है, वही शक्तियाँ जो जीवन और सृष्टि को धारण करती हैं। मृदुल गतियों और भावपूर्ण अभिव्यक्ति के माध्यम से नर्तक—नृत्यांगनाएं इन शाश्वत तत्वों को साकार करते हैं, जो संतुलन, ऊर्जा और सामंजस्य का प्रतीक हैं। इस पवित्र आरंभ से यात्रा धीरे-धीरे भगवान कृष्ण की दिव्य उपस्थिति की ओर ले जाती है — धर्म, प्रेम और करुणा के शाश्वत पथप्रदर्शक, जो प्रत्येक तत्व और प्रत्येक हृदय में विद्यमान हैं।

स्वप्न में शिव के अनेक रूप

कथक के शास्त्र के पश्चात चेन्नई की सुश्री अनुराधा वेंकटरमन ने भरतनाट्यम नृत्य प्रस्तुति का प्रारंभ मंगलाचरण से किया, जिसमें उन्होंने स्वप्न में भगवान शिव के भव्य प्रवेश का दृश्य प्रस्तुत किया। यह रचना ललगुड़ी आर. श्रीगणेश द्वारा राग हंसध्वनि और आदि ताल में संयोजित की गई है। इस प्रस्तुति में नायिका अपने स्वप्न में शिव को विभिन्न रूपों में देखती है। इस खंड के पद गोस्वामी तुलसीदास की काव्य रचनाओं से लिए गए हैं, जिन्हें दीप्ति श्रीनाथ ने संगीतबद्ध किया है।

"चिदानन्दरूपः शिवोऽहम् शिवोऽहम्"

अगले क्रम में सुश्री शुभदा वरडाकर, भुवनेश्वर की ओडिसी नृत्य प्रस्तुति हुई। उनकी प्रस्तुति का शीर्षक अभेदम् था। जगद्गुरु आदि शंकराचार्य के अद्वैत वेदान्त से प्रेरितअभेदम् आचार्य आदि शंकराचार्य के अद्वैत वेदान्त की गहन अद्वैत दर्शन-परंपरा का अन्वेषण करता है, जो आत्मा और परमात्मा की मूलभूत एकता की उद्घोषणा करती है।

नृत्य प्रस्तुतियों में आज

52वाँ खजुराहो नृत्य समारोह में दूसरे दिन 21 फरवरी, 2026 को सायं 6:30 बजे से श्री विश्वदीप, दिल्ली का कथक, श्री प्रभात मेहतो, झारखंड का छऊ एवं सुश्री अक्मारल काइना रोवा, कजाकिस्तान का भरतनाट्यम नृत्य होगा।

रिटायर्ड फौजी ने गोली मारकर की कर ली आत्महत्या

ग्वालियर। जिले में एक रिटायर्ड फौजी ने शराब के नशे में अपनी लाइसेंसी राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। बिस्तर पर बैठकर लाइसेंसी राइफल की नली सिर के पास सटाकर ट्रिगर दबा दिया। गोली लगते ही सिर और चेहरे का ऊपर का हिस्सा उड़ गया। मांस के चीथड़े दीवार और छत पर चिपके मिले। एक आंख 3 फीट दूर मिली है। जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम श्याम बिहारी भदौरिया (50) है, जो शताब्दीपुरम के रहने वाले थे। वे मूल रूप से भिंड जिले के तुकेड़ा, मालनपुर के निवासी थे। घटना स्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। मामला महाराजपुरा थाना क्षेत्र का है।

आरती-अजान के विवाद में बवाल

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर से करीब 40 किमी दूर सिहोरा तहसील में गुरुवार रात दुर्गा मंदिर और मस्जिद के बीच आरती-अजान को लेकर विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। पथराव और मारपीट के बाद इलाके में कर्फ्यू जैसे हालात हैं। भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और अब तक 49 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। प्रशासन का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन एहतियातन सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई है। पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, मंदिर में आरती और मस्जिद में अजान एक ही समय पर हो रही थी। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई और मामला झड़प तक पहुंच गया। आरोप है कि मस्जिद से 50-70 युवकों की भीड़ बाहर आई और विवाद बढ़ गया।

उज्जैन में देर रात से रुक-रुककर बारिश जारी

फसलों को नुकसान की आशंका, डेढ़ डिग्री बढ़ा न्यूनतम तापमान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब एक बजे शुरू हुई बारिश शुक्रवार सुबह तक रुक-रुक कर जारी रही। लगातार बारिश के चलते शहर के मौसम में ठंडक घुल गई। सुबह कामकाज के लिए घर से निकले लोगों को बारिश और ठंडी हवाओं के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। कई लोग छाता और गर्म कपड़ों के सहारे खुद को बचाते नजर आए।

फरवरी में लगातार दूसरे दिन बारिश दर्ज की गई है। लगातार बारिश से खड़ी फसलों को नुकसान होने की आशंका है। जिसे लेकर किसान चिंतित हैं। शासकीय जीवाजी वेधशाला के मुताबिक बीती रात 2.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

तापमान में बदलाव : शासकीय जीवाजी वेधशाला के अनुसार गुरुवार को अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो बुधवार के 31 डिग्री की तुलना में 3 डिग्री कम रहा। बुधवार को न्यूनतम तापमान 15 डिग्री था, जबकि बीती रात बारिश के बाद न्यूनतम तापमान डेढ़ डिग्री बढ़कर 16.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पश्चिमी विक्षोभ का असर- जीवाजी वेधशाला के अधीक्षक राजेंद्र गुप्त ने बताया कि 22 फरवरी से एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयीन क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है। इसके प्रभाव से सर्दी में कमी आने और दिन-रात के तापमान में बढ़ोतरी की संभावना है। अगले चार दिनों तक शहर में बादल छाए रहने के आसार हैं। कहीं-कहीं मावठा गिरने के संकेत भी जताए गए हैं। मौसम विभाग की मानें तो फिलहाल मौसम में उतार-चढ़ाव का दौर जारी रहेगा। थोड़ी-सी बारिश के चलते लोगों को काफी परेशानी भी झेलनी पड़ी। वार्ड 46 के संतराम सिंधी कॉलोनी में हाल ही सड़क का निर्माण हुआ है। जिसे मकानों के लेवल से ऊपर बना दी। जिसके चलते आज हुई थोड़ी-सी बारिश के बाद कई घरों में पानी घुस गया। रहवासियों ने ठेकेदार पर कार्य में लापरवाही के आरोप लगाए हैं।

बजट हड़प कर बैठे सरकारी विभाग

भोपाल। मध्यप्रदेश में सत्ता के विकेंद्रीकरण और पंचायती राज के दावों की धज्जियां उड़ गई हैं। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की ताजा रिपोर्ट ने एक संवैधानिक धोखाधड़ी का पर्दाफाश किया है। इस खुलासे ने शासन व्यवस्था की जड़ों को हिलाकर रख दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के सरकारी विभागों ने कागजों पर तो पंचायतों और नगरीय निकायों को अधिकार सौंपने का नाटक किया, लेकिन बजट की तिजोरी की चाबी आज भी अपने ही पास दबाकर रखी है। कैग की जांच में यह सनसनीखेज तथ्य सामने आया है कि विभागों ने अनुदान की राशि तो स्थानीय निकायों के नाम पर दिखाई, लेकिन उसका आहरण और संवितरण करने का पावर खुद के पास ही रखा। संविधान की अनुसूची 11 और 12 के तहत जिन विषयों, कर्मचारियों और फंड का हस्तांतरण होना था, वह कभी धरातल पर उतरा ही नहीं।

संपादकीय

राफेल डील 2.0: मारक क्षमता के साथ 'मेक इन इंडिया' का नया अध्याय

भारत फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीद रहा है। इस बीच नई दिल्ली ने पेरिस को स्पष्ट कर दिया है कि इस सौदे के तहत भारत में लड़ाकू विमानों के निर्माण के अलावा, राफेल हथियार पैकेज में भी स्वदेशी सामग्री शामिल की जाए। सूत्रों ने बताया कि इस सप्ताह अपने फ्रांसीसी समकक्ष के साथ हुई बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राफेल सौदे में 'मेक इन इंडिया' हथियारों के बड़े हिस्से की मांग की। इसमें मेटियोर, स्कैल्प और मीका मिसाइलों के साथ-साथ अन्य हथियारों का महत्वपूर्ण हथियार पैकेज भी शामिल होगा, जिस पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। भारत सरकार ने पहले ही अतिरिक्त SCALP हवा से जमीन में मार करने वाली मिसाइलों के लिए 3200 करोड़ के सौदे को मंजूरी दे दी है। इन मिसाइलों का उपयोग ऑपरेशन सिंदूर में किया गया था। टाइम्स ऑफ इंडिया के सूत्रों के मुताबिक, अगले तीन दशकों में इन मिसाइलों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए भारत चाहता है कि इन मिसाइलों क उत्पादन भारत में ही हो। हालांकि भारत में बनने वाले राफेल विमानों में स्वदेशी हथियारों को जोड़ने की क्षमता होगी, लेकिन इनमें बड़ी संख्या में फ्रांस निर्मित मिसाइलें भी होंगी, जिन्हें फिलहाल पूरी तरह से आयात किया जा रहा है। भारत अत्याधुनिक हथियार स्थानीय स्तर पर बनाना चाहता है। इसी कड़ी में, इस महीने की शुरुआत में Safran और BEL के बीच हैमर (Highly Agile Modular Munition Extended Range) स्मार्ट प्रिसिजन गाइडेड एयर-टू-ग्राउंड हथियार को भारत में बनाने के लिए एक संयुक्त समझौता हुआ है।वहीं भारतीय वायु सेना और नौसेना के राफेल लड़ाकू विमानों के बेड़े में शामिल होने वाले अन्य मिसाइलों और हथियारों को भी इसी तरह का मॉडल के तहत शामिल किया जाएगा। इससे भारतीय कंपनियों को अत्याधुनिक निर्माण तकनीक मिलेगी, जो फिलहाल ज्यादातर DRDO द्वारा विकसित गोला-बारूद और मिसाइलों का उत्पादन कर रही हैं। भारत-फ्रांस के बीच होने वाली यह डील भारतीय कंपनियों को जटिल हथियारों की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में शामिल करना संभव हो सकेगा। दुनियाभर में लंबी दूरी की मिसाइलों और हथियारों की वैश्विक मांग लगातार बढ़ रही है, जिसमें यूरोप भी शामिल है, जहां देशों ने रक्षा खर्च में वृद्धि की है। भारत यूरोपीय संघ के एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में खुद को प्रस्तुत कर रहा है, ताकि रक्षा अनुसंधान और विकास में यूरोपीय विशेषज्ञता का लाभ उठाकर भारतीय रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूत किया जा सके और आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाई जा सके।

मुंशी प्रेमचंद की कहानी

नैराश्य लीला

एक बार की बात है, अयोध्या में एक सम्मानित पंडित रहते थे, जिनका नाम हृदयनाथ था। भले ही उनके पास बहुत धन-दौलत न था, लेकिन वे थोड़े में ही संतोष रखते थे। हालांकि, उनके पास जो कुछ मकान थे, उनसे आने वाले किराए से उनका जीवन गुजर बसर हो जाता था। किराया बढ़ाने के साथ ही उन्होंने एक सवारी खरीद ली थी। जिंदगी का तजुर्बा होने के बाद भी किस प्रकार से जीवन यापन करना है, इसका बहुत कम ज्ञान था उन्हें। जैसे वे थे वैसी ही उनकी पत्नी जागेश्वरी थी। उन्हीं की तरह समाज के रीति रिवाजों से डरकर रहने वाली। दोनों के विचार कभी अलग नहीं हुए, पत्नी के लिए पति की आज्ञा ही सर्वोपरि थी। जागेश्वरी भगवान शिव की उपासना करने वाली थी और हृदयनाथ जी वैष्णव थे, लेकिन दान, व्रत आदि में दोनों की समान श्रद्धा थी यानी धर्मनिष्ठ थे। उनकी एक पुत्री थी कैलासकुमारी, जिसकी शादी उन्होंने तेरह साल में ही कर दी थी। अब उन्हें उससे एक पुत्र की लालसा थी जिसके नाम वे सब कुछ करके धर्म ध्यान में लग जाना चाहते थे।

शायद भाग्य को यह मंजूर न था। कैलासकुमारी की शादी के बाद ही उसके पति की मौत हो गई और वह विधवा हो गई। पूरे घर में शोक का महौल था, लेकिन कैलास कुमारी जिसे विवाह का मतलब ही नहीं पता था वह अपने माता पिता को रोता हुआ देखते तो खुद भी रोने लगती थी। उसे नहीं पता था कि वे क्यों रो रहे थे, वह तो सिर्फ अपने माता-पिता को रोते देखती तो उनका अपने प्रति प्रेम देखकर रोने लगती। उस बेचारी को तो पति का मतलब भी नहीं मालूम था। वहीं, जब भी माता पिता अपनी बेटी का चेहरा देखते तो दुख से और रोने लगते थे।

कैलास कुमारी को लगता की महिलाएं पति के मृत्यु के बाद इसलिए दुखी होती हैं, क्योंकि पति महिला और बच्चे का पालन-पोषण करता है। ऐसे में उसे चिंता करने की क्या जरूरत क्योंकि उसके पास तो उसके माता-पिता है, जो उसकी सारी इच्छाएं पूरी कर सकते हैं। कैलास कुमारी को बस यह दुख था कि उसकी सहेलियां भी उसके साथ खेलने ना आती। वह जब मां से सहेलियों को बुलाने की आज्ञा लेने जाती तो मां फूट-फूटकर रोने लगती। इसलिए उसने माता के पास जाना छोड़ दिया और अकेले बैठकर किस्से-कहानियां पढ़ा करती। उसके अकेले रहने से माता-पिता को लगा कि बेटी बहुत दुखी है और अकेले रहकर शोक मना रही है।

एक दिन पिता हृदयनाथ ने अपनी पत्नी से कहा कि- 'मेरा मन करता है कि यहां से कहीं दूर चला जाऊं अब मुझसे बेटी का दुख देखा नहीं जाता।'

जागेश्वरी- 'मैं भी यह सब नहीं देख सकती, भगवान मुझे अब और नहीं जीना है।'

हृदयनाथ- 'अगर हमारी बेटी दुखी रही तो बहुत बुरा होगा हमें कुछ करना चाहिए।'

जागेश्वरी ने कहा- 'मेरी तो कुछ समझ नहीं आ रहा है आप ही बताईए।'

हृदयनाथ- 'हम लोगों को इस प्रकार से मातम मनाना छोड़कर उसका दिल बहलाना चाहिए। तुम उसका मन कुछ न कुछ मनोरंजन करके बहला दिया करो।'

जागेश्वरी- 'हां मैं ऐसा ही करुंगी पहले तो मैं उसे देखकर रो पड़ती थी, लेकिन मुझे खुद को संभालकर उसका शोक दूर करना होगा।'

हृदयनाथ बोले- 'अब मैं भी उसके दिल को बहलाने वाले प्रयास करूंगा। हमें उसे हर समय मनोरंजन में लगाये रखना चाहिए।'

दोनों ने ऐसा विचार बनाया और फिर कैलासी के लिए मनोरंजन के सामान इकट्ठा करना शुरू कर दिए। इससे हंसते हुए बात करना, घुमाने ले जाना, नदी में नाव की सैर कराना, रोज थिएटर ले जाकर नए-नए नाटक दिखाना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। हृदयनाथ भी कभी उसे कश्मीर के दृश्य, कभी स्विट्जरलैंड की झांकी और झरने दिखाते तो, कभी ग्रामोफोन पर गाने बजाकर सुनाते। कैलास कुमारी इन सब के खूब मजे लेती। अब उसकी सहेलियां भी आने लगी थी।

इस प्रकार कुछ साल कैसे निकल गए पता ही नहीं चला। कैलासी को इन सब की आदत हो गई थी और वह बिना इन सब के एक भी दिन चैन से नहीं रह पाती थी। उसे थिएटरों और फिर सिनेमा उसके बाद मेस्मेरिज्म और हिप्नोटिज्म वाले नाटकों की आदत हो गई थी। साथ ही में ग्रामोफोन पर आने वाले नए रिकार्ड भी सुनने लगी और नए संगीत की लत भी लग गई थी। उसे अब बाहरी दुनिया से कोई मतलब नहीं था, वह तो अपने काल्पनिक संसार में डूबी रहती थी। कैलासी अपनी सहेलियों से भी घमंड भरी बातें करती और कहती कि यहां के लोगों को जिंदगी जीना नहीं आता है। जीवन तो विदेशों के लोग जीते हैं मनोरंजन के साथ, इसलिए वे इतना खुश रहते हैं। किसी भी कार्यक्रम में मां और बेटी साथ जाते थे।

उनका इस प्रकार से बाहर घूमना और सैर सपाटा लोगों को देखा नहीं गया। लोगों का मानना था कि विधवा औरत को सिर्फ पूजा, पाठ, तीर्थ, व्रत करने चाहिए। यह मनोरंजन के साथ उनके लिए नहीं होते हैं। कैलासी के माता-पिता को शर्म करना चाहिए कि इस प्रकार से अपनी बेटी को सिर पर चढ़ा कर रखा है। महिलाएं बोलतीं, बाप तो ठीक है, लेकिन मां ने बिलकुल भी नहीं सोचा कि दुनिया वाले क्या कहेंगे।

इस प्रकार से लोगों में बातें होने लगीं, लेकिन एक दिन सभी स्त्रियों ने जागेश्वरी के यहां जाने का फैसला किया। उनके आने पर जागेश्वरी ने बड़े ही आदर-सत्कार से उनका स्वागत किया। फिर कुछ देर यहां-वहां की बातों के बाद एक स्त्री ने कहा कि – 'बहन, तुम तो आराम से हो तुम्हारे दिन हंसी-खुशी में निकल जाते हैं। हमारे लिए तो हर दिन पहाड़ जैसा कटता है।'

तभी दूसरी औरत ने कहा- 'आखिर तुम्हारे पास इतना समय कैसे मिल जाता है हमारा दिन तो चूल्हा चक्की करते हुए ही निकल जाता है। जब समय मिलता है तो कभी बच्चे को संभालो, तो कभी घर वालों को। हम तो पूरी कठपुतलियों के जैसे नाचते रहते हैं।'

तभी तीसरी औरत ने व्यंग करते हुए कहा – 'इसमें सोचने वाली बात क्या है, यह सब करने के लिए जागेश्वरी जैसा कलेजा चाहिए। तुम लोग तो राज सिंहासन पर बैठने के बाद भी रोती रहोगी।'

इस बात पर एक वृद्ध महिला बोल उठी- 'ऐसा दिल किस काम काम का, जो दुनिया कितना भी मजाक उड़ाए फिर भी किसी को कोई फर्क नहीं पड़े। वह दिल किसी पत्थर से कम नहीं। हम गृहिणी हैं, और हमारा काम गृहस्थी को संभालना है मौज मस्ती करना नहीं।'

महिलाओं के द्वारा इस प्रकार मजाक उड़ाए जाने पर जागेश्वरी ने अपना सिर नीचे कर लिए। महिलाओं का काम हो चुका था। उनका उद्देश्य उसके मन को तड़पाना था। जागेश्वरी को सबक मिल चुका था। महिलाओं के जाने के बाद उसने यह सब अपने पति से कहा। वह मायूस होकर बोलने लगे कि- 'अब क्या करें?'

जागेश्वरी- 'आप ही कुछ विचार करो।'

हृदयनाथ लंबी सांस छोड़ते हुए बोले- 'पड़ोसियों ने मजाक उड़ाया है और यह एक दिन होना ही था और सही भी है। मुझे खुद पता चल रहा है, कि कैलासी के हाव भाव बहुत बदल गए हैं। विधवाओं का यह सब करना ठीक नहीं है। अब यह सब बंद करना होगा।'

जागेश्वरी टोकते हुए बोली- 'पर कैलासी को तो इन सब की आदत हो गई है कैसे रहेगी वह इनके बिना।'

हृदयनाथ- 'हमें यह सब रोकना पड़ेगा।'

धीरे धीरे घर का माहौल बदलने लगा। हृदयनाथ शाम को ग्रामोफोन की जगह धर्म ग्रंथ पढ़कर सुनाने लगे। घर में मां और बेटी धर्म-निष्ठा का पालन करने लगी, संयम, उपासना करने लगीं। गुरु जी ने कैलासी को दीक्षा दी (गुरु से मिलने वाली शिक्षा), और सभी महिलाओं ने वहां आकर उत्सव मनाया।

अब मां-बेटी गंगा स्नान करने लगीं, मंदिर जातीं, एकादशी का निर्जला व्रत रखतीं। गुरुजी कैलासी को रोजाना संध्या के समय धर्मोपदेश देते। कैलासी को कुछ दिनों तक यह सब कष्टप्रद लगा, लेकिन थोड़े ही दिनों में उसे इन सबमें रुचि होने लगी गयी। उसने मनोरंजन का मार्ग छोड़कर अध्यात्म और त्याग का मार्ग अपना लिया। उसे पति और अपनी स्थिति का मतलब समझ आने लगा। अब उसने प्रायश्चित करने का मन बना लिया था। वह साधु-महात्माओं की सेवा करने लगी और यहां तक कि तीन साल में ही उसने संन्यास लेने का सोच लिया।

जैसे ही माता पिता को इस बात का पता चला उन्होंने अपना सिर पकड़ लिया। मां ने कहा कि- 'बेटी अभी सन्यास लेने की तुम्हारी उम्र नहीं है, ऐसी बातें मत सोचो।''

कैलासी- 'मां इन सब झंझटों को जितने जल्दी छोड़ दिया जाए उतना अच्छा है।'

हृदयनाथ- 'क्या घर में रहकर इन सब से मुक्ति नहीं मिल सकती है?'

तभी मां ने कहा – 'इन सब से बदनामी होगी।'

कैलास कुमारी- 'जो भगवान के चरणों में अर्पण हो जाते हैं उन्हें बदनामी की चिंता नहीं होती?'

जागेश्वरी ने समझाया- 'बेटी हमें तुम्हारा ही आसरा है। अगर तुमने संन्यास लिया तो हम किसके सहारे जिएंगे?'

कैलासकुमारी- 'भगवान ही सबका सहारा है मां।'

अगले रोज यह बात मोहल्ले वालों को पता चल गई। शुरू में तो उन्होंने आपस में ही खूब मजाक उड़ाया, लेकिन फिर कुछ पुरुष इस गुत्थी को सुलझाने के लिए हृदयनाथ के यहां आए।

एक सज्जन बोले- 'क्या तुमने सुना है कि डाक्टर गौड़ का हुआ प्रस्ताव बहुत अधिक मतों से मान लिया गया है।'

दूसरे व्यक्ति ने कहा कि- 'ये लोग हिंदू धर्म का नाश करके मानेंगे।'

तीसरे व्यक्ति ने कहा- 'नाश तो होगा ही, जब हमारे ही साधु-महात्मा मासूम लड़कियों को बहकाने लगे हैं।'

हृदयनाथ- 'मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ है आपको तो पता ही है सब कुछ।'

पहले व्यक्ति- 'आपके ही नहीं हमारे साथ भी हो रहा है।'

हृदयनाथ- 'आप लोग कोई रास्ता निकालिए।'

पहले व्यक्ति- 'आपने उसे समझाया नहीं था क्या?'

हृदयनाथ- ब'हुत समझाया और अब हार गया। किसी की कुछ नहीं सुनती।'

तीसरे व्यक्ति- 'उसे इस मार्ग पर नहीं लाना था।'

पहले व्यक्ति- 'पर अब पछताने पर क्या होगा? कुछ लोगों की सलाह है कि विधवाओं से अध्यापिका का काम कराना चाहिए।'

दूसरे व्यक्ति- 'सलाह अच्छी है। आस पड़ोस की कन्याएं पढ़ने को आ जाएंगी और लड़की का भी मन लग जायगा।'

हृदयनाथ- 'मैं उसे फिर से समझाऊंगा।'

जैसे ही लोग गए हृदयनाथ ने कैलास कुमारी को समझाने का प्रयास किया। पहले तो हृदयनाथ को कैलास कुमारी को समझाने में कठिनाई हुई, लेकिन धीरे-धीरे कैलासी की सोच बदलने लगी और वह मान गई। हृदयनाथ ने मोहल्ले वालों की बच्चियों को जोड़ कर पाठशाला शुरू कर दी। पंडितजी खुद कैलासी के साथ पाठशाला में पढ़ाने लगे। कुछ ही दिन में पाठशाला चल गयी और दूसरे मुहल्लों की बालिकाएं आने लगीं।

कैलासकुमारी पूरे दिन लड़कियों के साथ रहती, पढ़ाने के साथ ही, उनके साथ खेलती, सिलाई सिखाती रहती। पाठशाला अब एक परिवार बन गया था। किसी भी लड़की के बीमार होने पर कैलास कुमारी उसके घर जाकर उसकी सेवा करती।

एक दिन की बात है पाठशाला की एक बच्ची को चेचक निकल आया। तब कैलासी उसके घर उसकी तबीयत के बारे में पूछने गयी। लड़की की तबीयत खराब थी। कैलासी को देखकर ऐसा लगा कि उसके सारे दुख भाग गये। एक घंटे के बाद कैलासी जब जाने लगी तो लड़की रोने लगी। लड़की उसे छोड़ने के लिए तैयार नहीं थी। हृदयनाथ जब भी कैलासी को बुलाने के लिए आदमी भेजते, वह मना कर देती। कैलासी तीन दिन तक लड़की के पास रही। अगले दिन जब लड़की की तबीयत में सुधार हुआ तो वह घर आ गई। मगर जैसे ही नहाने के लिए तैयार हुई कि तभी एक आदमी दौड़ता हुआ आया और कहने लगा कि लड़की की हालत नाजुक हो रही है और वह आपको ही याद कर रही है।

हृदयनाथ ने गुस्से में कहा कि – 'किसी अस्पताल से नर्स बुला लो।'

कैलास कुमारी ने कहा- 'बाबा आप गुस्सा मत हो। उसकी जान बचाने के लिए मैं तीन महीने तक उसकी सेवा कर सकती हूं।'

हृदयनाथ- 'तो फिर पाठशाला कौन संभालेगा?'

कैलासी- 'कुछ दिन आप संभाल लो जैसे वह अच्छी होगी मैं आ जाऊंगी।'

हृदयनाथ- 'बात को समझो यह बीमारी छूने से फैलती है।'

कैलासी- 'अगर मर गई तो आपकी ही विपति टलेगी।'

इतना बोलकर 'वह बिना भोजन किए वहां से चली गई।'

हृदयनाथ जागेश्वरी से कहने लगे- 'मुझे लगता है कि जल्दी ही पाठशाला को बंद करना होगा।'

जागेश्वरी- 'आपने सही कहा आखिर पाठशाला को कौन संभालेगा।'

हृदयनाथ- 'मैं भी क्या करूं जो भी उपाय करता हूं कुछ ही दिनों में हमें ही मुसीबत में डाल देता है। मुझे अब बदनामी का डर सताने लगा है क्योंकि लोग कहेंगे कि लड़की पराए लोगों के घर आती-जाती है कई-कई दिनों तक वहीं रहती है।'

जागेश्वरी- 'तो आप उसे पढ़ाने से मना कर दीजिए, और क्या कहें।'

कैलास कुमारी के वापस आने तक हृदयनाथ पाठशाला बंद कर चुके थे। इसे देखकर कैलासी ने गुस्से से तीव्र स्वर में कहा – 'यदि बदनामी का डर है, तो मुझे जहर दे दें। आपके पास इसके सिवाय और कोई उपाय नहीं हो सकता है।'

हृदयनाथ ने उसे समझाया- 'बेटी इस संसार में रहना है तो संसार के अनुसार ही काम करना पड़ेगा।'

कैलासी- 'अगर ऐसा है तो मुझे बताइए कि ये लोग आखिर क्या चाहते हैं मुझसे? मैं क्यों संसार के नियमों को निभाने के चक्कर में एक कठपुतली बनूं? मेरे अंदर भी जान है, मुझे भी जीने की चाह है। मैं अपने आपको दुखिया नहीं मान सकती और ना ही रोटी का एक टुकड़ा खाकर रह सकती हूं। बताइए मैं ऐसा क्यों करूं? ये लोग मुझे जो चाहे समझे, लेकिन मैं अभागिनी नहीं। मुझे पता है कि खुद के आत्मसम्मान की रक्षा कैसे करनी है। मैं कोई जानवर नहीं हूं जो समाज लाठी लेकर मेरे पीछे पड़ा रहे।'

इतना बोलकर कैलास कुमारी वहां से चली गई। इसके बाद से वह अपनी लाचारी और स्त्रियों की बेबसी के बारे में सोचने लगी। उसे लगने लगा कि महिला पुरुषों के अधीन क्यों है, क्या एक स्त्री का यही भाग्य है। यह सोचकर अपने नसीब और समाज के द्वारा किए गए अत्याचार पर दुखी और नाराज हो जाती थी।

पाठशाला के बंद होने के बाद कैलास कुमारी को पुरुषों से अंदर ही अंदर जलन होने लगी। महिलाओं की बेबसी पर कैलासी बार-बार झुंझला जाती।

एक दिन की बात है, उसने अपने बाल गूंथ कर जूड़े में गुलाब का फूल लगा लिया। जैसे ही मां ने उसे ऐसा देखा तो गुस्से में होठों से जीभ दबा ली। ठीक ऐसे ही एक दिन उसने रेशमी साड़ी पहनी, जिसे देखकर आस-पड़ोस की महिलाओं ने खूब आलोचनाएं की। अब वह एकादशी व्रत भी नहीं रखती थी। साथ ही कंघी और आईने को वह छोड़ने लायक नहीं समझती थी।

शादियों के दिन शुरू हो गए थे। मोहल्ले की सभी स्त्रियां गैलरी में आकर दूल्हे को देखती थीं। जागेश्वरी भी उनमें से एक थी। इसके विपरीत कैलासकुमारी कभी भी इन बारातों को नहीं देखती थी। उसकी नजरों में बारात का मतलब था कि यह सीधी साधी लड़कियों का शिकार है। बारातियों को वह शिकारी कुत्ते समझती। उसे बस यही लगता था कि यह शादी नहीं बलिदान है एक महिला का।

दिन गुजरे तीज व्रत का दिन भी आ गया। घरों में सफाई के साथ ही स्त्रियां व्रत रखने की तैयारियां करने लगीं। वहीं, व्रत की तैयारी जागेश्वरी ने भी की। अपने लिए नई-नई साड़ियां मंगाई। हमेशा के जैसे ही कैलासी के ससुराल से भी कपड़े, मिठाइयां और खिलौने आये। यह विवाहित महिलाओं का व्रत है, लेकिन विधवा भी इसे सही रीति-रिवाज से करती हैं। उनका संबंध पति से शारीरिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक होता है। अभी तक तो कैलास कुमारी यह व्रत रखती थी, लेकिन अब उसने निश्चय कर लिया था कि वह व्रत नहीं रखेगी। मां ने सुना तो सिर पीट लिया। वह बोली कि- 'बेटी, यह व्रत रखना हमारा धर्म है।'

कैलासी- 'अगर यह धर्म है तो पुरुष महिलाओं के लिए क्यों कोई व्रत नहीं रखते हैं?'

जागेश्वरी ने कहा- 'पुरुषों में इसको निभाने की रीत नहीं है।'

कैलासी बोली- 'वो इसलिए कि जितनी महिलाओं को मर्दों की जान प्यारी है, उतनी मर्दों को महिलाओं की प्यारी नहीं।'

जागेश्वरी- 'तू ही बोल कि महिलाएं मर्दों की बराबरी करें भी तो कैसे? उसका धर्म है अपने पति की सेवा।'

कैलासकुमारी- 'यह मेरा धर्म नहीं है। मेरा धर्म केवल आत्मरक्षा है और कुछ नहीं।'

जागेश्वरी- 'बेटी, एक बार फिर सोच ले गजब हो जाएगा, क्या कहेगी ये दुनिया?'

कैलासकुमारी- 'क्या मां आप फिर उसी दुनिया को लेकर बैठ गईं? मुझे खुद की आत्मा के अलावा किसी का भी डर नहीं है।'

हृदयनाथ को जागेश्वरी ने यह बातें बताईं तो वे चिंता में डूब से गए। उनके मन में हुआ क्या मतलब है इन सब का? क्या उसके अंदर आत्म-बोध हुआ है या फिर यह सब नैराश्य है? वैसे भी जब घनहीन व्यक्ति का कष्ट दूर नहीं होता, तो लाज को छोड़ ही देता है। इसमें कोई शक नहीं कि नैराश्य यानी निराशा ने ही यह रूप ले लिया है। इससे दिल के सारे कोमल और अच्छे भाव खत्म से होने लगते हैं और अचानक अलग सा बदलाव होने लगता है। इंसान जग हंसाई पर भी गौर नहीं करता। उसके लिए दुनिया के मानो सारे रिश्ते ही टूट से जाते हैं। इसी को नैराश्य यानी निराशा की आखिरी स्थिति माना जाता है।

हृदयनाथ अपने विचारों में खोए हुए थे तभी जागेश्वरी ने पूछा- 'अब क्या करेंगे?'

हृदयनाथ ने कहा कि- 'क्या बताऊं अब।'

जागेश्वरी ने फिर पूछा- 'आपके पास कोई और उपाय है क्या?'

हृदयनाथ ने असहाय होते हुए कहा – 'अब तो एक उपाय ही हो सकता है, लेकिन उसके बारे में बात नहीं कर सकता।'

कहानी से सीख:

हमें कभी भी स्त्री और पुरुष में भेद नहीं करना चाहिए, दोनों ही सुखी और स्वतंत्र जीवन जीने के समान रूप से अधिकारी होते हैं।

New Delhi

राजधानी दिल्ली में आतंकी अलर्ट... लश्कर-ए-तैयबा की IED साजिश, लाल किला-चांदनी चौक निशाने पर

नई दिल्ली, (एजेंसी) राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियों को आतंकी हमले की साजिश से जुड़ा इनपुट मिलने के बाद हाई अलर्ट जारी किया गया है. खुफिया जानकारी के मुताबिक, पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (LeT) राजधानी में IED (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) के जरिए बड़ा हमला करने की साजिश रच रहा है. इसमें खासतौर पर भीड़भाड़ वाले इलाकों और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाए जाने की आशंका जताई गई है.

खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा भारत के बड़े शहरों में

IED ब्लास्ट की साजिश रच रहा है. खुफिया रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि लश्कर के आतंकी पुरानी दिल्ली में चांदनी चौक इलाके के मंदिरों में भी धमाके की साजिश रच चुके हैं.

खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक, 6 फरवरी 2026 को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में एक मस्जिद में बम धमाका हुआ था, आतंकी संगठन लश्कर उसी के बाद से ये साजिश रच रहा है.

इनपुट के अनुसार, पुरानी दिल्ली के संवेदनशील इलाके लाल किला के आसपास और चांदनी चौक आतंकियों के संभावित टारगेट हो सकते हैं. इसके अलावा मंदिरों को भी निशाना बनाने की बात सामने आई है, जिससे सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं.

Uttarpradesh

यूपी में भाजपा नेता की हत्या!: 'साजिश के तहत की गई पिता की हत्या', दूल्हे के जीजा ने चलाई गोली; शादीमें भगदड़

सहारनपुर, (एजेंसी) सहारनपुर कोतवाली मंडी क्षेत्र के रामलीला भवन में हुई हर्ष फायरिंग में पिता की मौत को बेटे ने साजिश के हत्या करने का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि शादी समारोह के दौरान डांस करते हुए आरोपी द्वारा दो बार हवाई फायर की गई। गोली लगने से भाजपा के महामंत्री की मौत के बाद शादी की खुशियां मातम में बदल गई थी।

बेटे हर्षित रोहिला ने कोतवाली मंडी में तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि नवीन उपाध्याय पिता के परिचित है। बेटे ने आरोपी रोहित उपाध्याय पर जान बूझकर और साजिश के तहत हत्या करने का आरोप लगाया है। उनके पिता गार्डों की नौकरी लगवाने का काम करते थे और वर्तमान में मानकमऊ मंडल में भाजपा के महामंत्री पद पर कार्यरत थे। शादी समारोह में बराती और रिश्तेदार डांस कर रहे थे। इसी दौरान रोहित उपाध्याय ने हर्ष फायरिंग की। चर्चा है कि दो बार हवाई फायर भी हुए, जिसका डीजे की तेज के चलते पता नहीं चला। तीसरी गोली शिवचरण के सीने में लगी, जिससे उनकी मौत हुई। यह भी चर्चा का विषय बना हुआ है कि जब हवाई फायरिंग हो रही थी तो शिवचरण के सीने में गोली कैसे लगी। पुलिस सभी बिंदुओं पर गहनता से जांच कर रही है।

शिवचरण रोहिला मूलरूप से रामपुर मनिहारान क्षेत्र के गांव चंदनपुर के रहने वाले थे। वह पिछले करीब 20 साल से थाना सदर बाजार क्षेत्र में नवादा रोड पर कमल विहार जाली वाली फैक्टरी में किराये पर रह रहे थे। उनका एक बेटा और एक बेटी है। दोनों की अभी शादी नहीं हुई है। चंदनपुर गांव में महापौर डॉ. अजय कुमार और पूर्व महापौर संजीव वालिया पहुंचे और परिवार को सांत्वना दी। सहारनपुर की कोतवाली मंडी क्षेत्र में शादी समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग में मानकमऊ मंडल के भाजपा महामंत्री शिवचरण रोहिला (50) की गोली लगने से मौत हो गई।

New Delhi

...“दिल्ली में फिर दिखा तेज रफ्तार का कहर, अनियंत्रित कार ने ली डिलीवरी बॉय की जान, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी) पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर इलाके में शुक्रवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में एक कंपनी के एक डिलीवरी बॉय की मौत हो गई। सुभाष नगर मेट्रो रेड लाइट के पास एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे स्कूटी सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है और चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

यह घटना सुबह करीब तीन बजे हुई। मृतक की पहचान रघुवीर नगर निवासी हेम शंकर के रूप में हुई है, जो एक नामी कंपनी में डिलीवरी बॉय के तौर पर काम करता था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज गति से आ रही एक कार ने पीछे से हेम शंकर की स्कूटी को टक्कर मारी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी और कार दोनों बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

Maharashtra

भिवंडी में हो गया खेला! कांग्रेस की मदद से मेयर बने बीजेपी के बागी नारायण चौधरी

भिवंडी, (एजेंसी) महाराष्ट्र के भिवंडी में एक नाटकीय राजनीतिक उथल-पुथल देखने को मिली, जहां भाजपा को उस समय बड़ा झटका लगा जब उसके बागी नेता नारायण चौधरी कांग्रेस और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के समर्थन से मेयर बनकर उभरे. इस साल जनवरी में हुए 23 वार्डों और 90 सीटों वाले भिवंडी-निजामपुर नगर निगम (BNMC) चुनाव में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला था. इसने इस नगर निगम में नए सियासी समीकरणों और गठबंधनों को जन्म दिया. पार्षदों की खरीद-फरोख्त और राजनीतिक झड़पों के आरोप लगे.

विलासराव देशमुख ऑडिटोरियम में शुक्रवार दोपहर 12 बजे हाथ उठाकर मतदान की प्रक्रिया हुई, जिसमें नारायण चौधरी को स्पष्ट बहुमत मिला. नारायण चौधरी मेयर चुने गए, जबकि

कांग्रेस उम्मीदवार मोमिन तारिक बारी डिप्टी मेयर चुने गए. नगर निगम चुनाव में कांग्रेस ने 30, भाजपा ने 22, शिवसेना ने 12, समाजवादी पार्टी ने 6, कोणार्क विकास अघाड़ी ने 5 और भिवंडी विकास अघाड़ी ने 3 सीटें जीतीं थीं.

नारायण चौधरी ने 46 के जादुई आंकड़े से दो अधिक यानी 48 वोट हासिल करके मेयर पद हासिल किया.

खेल

ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 वर्ल्डकप में आखिरी मैच जीता

ओमान को 9 विकेट से हराया, मार्श-हेड ने 93 रन जोड़े, जम्पा को 4 विकेट

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीत के साथ खत्म किया। टीम ने शुक्रवार को आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में ओमान को 9 विकेट से हरा दिया। कैंडी के पल्लेकेले स्टेडियम में पहले बैटिंग करने उतरी ओमान 104 रन पर सिमट गई। मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड ने 93 रन की पार्टनरशिप कर कंगारू टीम को जीत दिला दी।

ऑस्ट्रेलिया के लिए गेंदबाजी में लेग स्पिनर एडम जम्पा ने 4 विकेट लिए। ग्लेन मैक्सवेल और जैवियर बार्टलेट को 2-2 विकेट मिले। कप्तान मार्श ने फिफ्टी लगाई, वहीं ट्रैविस हेड 32 रन बनाकर आउट हुए। ओमान के लिए वसीम अली ने सबसे ज्यादा 32 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया को 2 हार मिली ऑस्ट्रेलिया की टीम ग्रुप-बी में श्रीलंका और जिम्बाब्वे के खिलाफ हार कर बाहर हो गई। टीम ने आयरलैंड और ओमान को हराया, लेकिन ये अगले राउंड में पहुंचने के लिए काफी नहीं था। टीम 2009 के बाद पहली बार ग्रुप स्टेज को भी पार नहीं कर सकी।

सिनेमा

The Kerla Story 2 #trailer # review

भारतीय समाज में शरीर का ताप इतना मायने रखता है जिस के कारण emotional down fall होता है खासकर लड़कियों /महिलाओं में...उनको लगता है कि ये हो गया मतलब सब हो गया ..अब यही सब कुछ. ..बुद्धि का इस्तेमाल नहीं होता फिर..

और ऐसे मिशन की शुरुआत में लड़की से सब से पहले शारीरिक रूप से ही जुड़ा जाता है..कई सब्जबाग दिखाए जाते है और फिर नकली लव कम शादी के लफड़े बनते ही तब है जब लड़कियां शारीरिक रूप से जुड़ जाती है और भावनात्मक रूप से कमजोर ..बाकी परवरिश का सवाल तो बनता ही है ...जागो और जगाओ !

#पुष्प

1. **Boh valley of Shahpur set to become Himachal's first trout hub**
2. **DU panel to probe PhD scholar's sexual assault allegations**
3. **Are Haryana millers at risk of black marketing pressure?**
4. **Food delivery executive killed in speeding car crash in Delhi**

GIFT Nifty surges 400 points after SCOTUS outlaws Trump tariffs

NEW DEIHI, (Agency). The US Supreme Court struck down President Donald Trump's sweeping tariffs that he pursued under a law meant for use in national emergencies, rejecting one of his most contentious assertions of his authority in a ruling with major implications for the global economy.

The justices, in a 6-3 ruling authored by conservative Chief Justice John Roberts, upheld a lower court's decision that the Republican president's use of this 1977 law exceeded his authority.

Roberts, citing a prior Supreme Court ruling, wrote that "the president must 'point to clear congressional authorisation' to justify his extraordinary assertion of the power to impose tariffs", adding: "He cannot."

Trump has leveraged tariffs—taxes on imported goods—as a key economic and foreign policy tool. They have been central to a global trade war that Trump initiated after he began his second term as president, one that has alienated trading partners, affected financial markets and caused global economic uncertainty.

The Supreme Court reached its conclusion in a legal challenge by businesses affected by the tariffs and 12 US states, most of them governed by Democrats, against Trump's unprecedented use of this law to unilaterally impose the import taxes.

Trump's tariffs were forecast to generate over the next decade trillions of dollars in revenue for the United States, which possesses the world's largest economy.

SCOTUS quashes Trump tariffs: What happens to India, and India-US trade deal

NEW DEIHI, (Agency). The US Supreme Court has dismantled President Donald Trump's protectionist agenda, striking down his sweeping global tariffs. That potentially signals a reset for India's exports to the US and complicates the India-US trade deal.

In a 6-3 ruling, the US Supreme Court found that Trump administration exceeded its constitutional authority by using a 1977 emergency-powers law to unilaterally overhaul the nation's trade policy. Chief Justice John Roberts stated that while the International Emergency Economic Powers Act allows the US President to respond to foreign threats, it

does not grant a "blank check" to impose indefinite, across-the-board taxes.

"The power to levy duties on commerce resides with Congress," Roberts wrote. "The president cannot simply declare a trade deficit an 'emergency' to seize that mantle." The India Reset- While the interim India-US trade deal reduced US tariffs on India to 18% from 50% through most of last year, the SCOTUS verdict effectively dissolves the legal foundation for the original emergency tariffs. Economists at the Penn-Wharton Budget Model estimate the US may now be forced to refund upwards of $175 billion collected in tariffs under the invalidated IEEPA authority—a significant portion of which would return to Indian exporters in the textile, chemical, and engineering sectors. "For Indian industry, this ruling provides immediate relief from the overhang of high reciprocal duties, particularly in our labour-intensive sectors such as textiles, engineering, and chemicals," Saurabh Agarwal, Tax Partner at EY India, told Hindustan Times over WhatsApp. That said, US import duty under Section 232 still continue impacting sectors such as steel, aluminium, automobiles, etc.

India-US trade deal- The decision complicates the finalisation of a broader India-US trade deal, which was scheduled to be effective in April. Under the framework agreed upon earlier this month, India had committed to a $500 billion "Buy American" program for energy and technology in exchange for tariff relief.

Now, after the SCOTUS ruling on Trump tariffs, New Delhi has a bargaining chip. It can seek some concessions on Russian oil imports, as well as negotiate broader contours of the deal involving textiles and agri-products.

DETECTIVE GROUP
Detecting the truth

I AM NOT

- a Lover but will support you.
- a Friend but will guide you.
- a Lawyer but will assist you in getting justice.
- a Police but will help you in finding an evidences.
- an Uncle but will help in knowing your upcoming family's details.
- a Teacher but will suggest you a right direction.
- a Doctor but will cure your problems.
- a Driver but will take you to correct destination.

WHO AM I?
I AM THE DETECTIVE !

Helping Secretly & Securely...

WWW.DETECTIVEGROUP.IN

Visit our website & Submit your Query...
Team will contact you within 24 hrs...

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक